मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग) में उप मंत्री (कुमारी शैलजा) : (क) राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा आयोजित पांचव अखिल भारतीय शाक्षिक सवक्षण के अनुसार, देश की 94.5% ग्रामीण जनसंख्या के लिए 1 किलोमीटर की पैदल दूरी के क्षेत्र में प्राथमिक विद्यालय तथा 83 98% ग्रामीण जनसंख्या के लिए 3 किलोमीटर की पैदल दूरी वाले क्षेत्र में उच्च प्राथमिक विद्यालय उपलब्ध हैं ।

(ख) और (ग) नवीनतम उपलब्ध सूचना जो कि एक प्रकाशित दस्तावेज है, इसी सर्वेक्षण रिपोर्ट में है तथा यह संसद भवन की लाइब्रेरी में उपलब्ध है ।

(घ) वर्ष 1993–94 के दौरान, प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अतिरिक्त नामांकन क्रमशः लगभग 28 3 लाख तथा 12.06 लाख था ।

(ङ) वर्ष 1993–94 के दौरान कक्षा I से V तथा कक्षा I से VIII के पढ़ाई बीच में छोडकर जाने वाले छात्रों की दर क्रमशः 36 32% तथा 52.80% थी ।

बच्चे कई कारणों से पढ़ाई बीच में छोड़ते हैं, मुख्यतः ये कारण सामाजिक, आर्थिक तथा शैक्षिक प्रवृत्ति के होते हैं ।

महिलाओं के लिए साक्षरता कार्यक्रम

4968. **प्रो० राम बक्श सिंह वर्मा :** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री 24 मार्च, 1995 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 1803 के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार महिलाओं के लिये साक्षरता कार्यक्रम में जनसंख्या अध्ययन को समाविष्ट करने का विचार रखती है ; और

(ख) यदि हां, तो इसे कब तक अन्तिम रूप दे दिये जाने की संभावना है?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग) में उपमंत्री (कुमारी शैलजा) : (क) और (ख) राष्ट्रीय साक्षरता मिशन का लक्ष्य कार्यात्मक साक्षरता प्रदान करना है । इसमें छोटे परिवार के आदर्श की व्यावहारिक जागरूकता शामिल है । चूंकि साक्षरता कार्यक्रमों में महिलाओं को प्राथमिकता के आधार पर लक्ष्य समूह के रूप में सम्मिलित किया जाता है, अतः वातावरण तयार करने, प्रशिक्षण सामग्रियों, प्रशिक्षण-अध्ययन इत्यादि जसे चल रहे साक्षरता आभयानों के विभिन्न चरणों के माध्यम से महिलाओं में जनसंख्या विषयों से संबंधित देश प्रसारित किए जा रहे हैं ।

Setting up IIT'S in different States

4969. SHRI SARADA MOHANTY: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) the states where Indian Institute of Technology (IIT) have not been set up;

(b) whether Orissa is one such State where IIT has not been set up;

(c) whether Government propose to set up IIT's in the States where no such institute is set up; and

(d) if so, by when and the steps taken in this regard?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF EDUCATION AND DEPTT. OF CULTURE) (KM. SELJA): (a) and (b) The Indian Institutes of Technology are not set up State-wise. There are six Indian Institutes of Technology located at Kharagpur (West Bengal) Bombay (Maharashtra), Kanpur (Uttar Pradesh). Madras (Tamilnadu), Delhi and Guwahati (Assam).

(c) and (d) There is no proposal to set up more Indian Institutes of Technology in the country.

देश के पहाड़ी क्षेत्रों में शिक्षा का निम्न स्तर

4970. **श्री महेश्वर सिंह :** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस बात की

जानकारी है कि ग्रामीण क्षेत्रों, विशेषकर पहाड़ी क्षेत्रों में प्राथमिक शिक्षा का स्तर निम्न होने का मुख्य कारण विद्यालय भवनों, अध्यापकों और पाठशालाओं में अन्य मूलभूत सुविधाओं की कमी है ; और

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा उक्त कमियों को दूर करने और शिक्षा के स्तर को ऊंचा करने हेतु कौन-कौन से कदम उठाए जा रहे हैं ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग) में उपमंत्री (कुमारी शैलजा) : (क) और (ख) राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 के अनुसार प्राथमिक स्तर पर भौतिक सुविधाओं तथा शिक्षा के स्तर में सुधार करने के लिए विशेष बल दिया गया है तथा राज्य सरकारों और संघ शासित प्रशासनों को उनके प्रयासों में सहायता करने के लिए कई केन्द्रीय प्रायोजित योजनाएं आरंभ की गई। ये निम्नवत हैं :--

(i) प्राथमिक स्कूलों की भौतिक सुविधाओं में सुधार करने के लिए आपरेशन ब्लैकबोर्ड ।

(ii) सेवा-पूर्व शिक्षक प्रशिक्षण के पुनर्गठन तथा क्रमबद्ध सेवाकालीन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारम्भ करने हेतु जिला शिक्षा तथा प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना ।

(iii) प्राथमिक स्तर पर न्यूनतम शिक्षण स्तरों का निर्धारण करना ताकि शिक्षु उपलब्धि स्तरों को बढ़ा सके ।

Survey in Madhya Pradesh for exploration of Minerals

4971. SHRI DILIP SINGH JUDEV: Will the Minister of MINES be pleased to state:

(a) whether the Geological Survey of India (G.S.I.) has conducted any survey in Madhya Pradesh for exploration of minerals during the last three years;

(b) if so, the details of the places where survey have been undertaken and the estimated quantity of the minerals found during the period; and

(c) the steps taken by Government in this regard?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF MINES (SHRI BALRAM SINGH YADAV): (a) and (b) Yes, Sir. During the last three years, the Geological Survey of India (GSI) has conducted survey for minerals/metals in Madhya Pradesh in the following areas:—

Coal	Additional reserves of 2011.55 milliom tonnes of coal have been established in Sohagpur, Korba, Mand-Raigarh and Tatapani-Ramkola areas.
Gold	Surveys have been conducted in Bastar, Sidhi, Raipur and Raigarh districts. 0.25 million tonnes of gold ore in Pardripani area, Raipur district has been estimated.
Diamond	In various parts of Raipur, Chhatarpur, Panna and Tikamgarh districts surveys were carried out. 4 pieces of diamond, each weighing 10 cents, at Behradih and Payalikhand in Raipur districts have been found.
Basemetals (Copper-Zinc)	In various parts of Bastar, Betual, Panna, Hosangabad and Shahdol districts surveys were undertaken. 3.09 million tonnes of zinc ore with 4.54-7.63% zinc, 85-146 PPM Cadmium, 3.5 PPM silver and 100-190 PPM tungsten in Bhawaratekra block, Kherli Bazar in Betual district has been estimated.
Tungsten	Betual and Raigarh districts.
Manganese	Tirodi and Ukwa area in Balaghat district.
Dolomite	85 million tonnes of low silica dolomite in Luhani and Hirapur blocks in Sagar district.
Bauxite	Pandrapat Highland in Raigarh District.

(c) The GSI has desiminated the information about mineral finds to the State Governments through periodical meetings.